स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्युज ओ पत्रिका पढे सेक्बी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

वर्ष २४ अंक ७३ वि.सं. २०८३ कुँवार १३ गते मंगर | थारु सम्वत (२६४९) | [Tuesday 29 September 2026] | (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

राजनीतिक नेतृत्वमे आइक लाग मानसिक रुपमे तयार हुई परल: मन्त्री शर्मा

निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधिहुकनके लाग रुपान्तरणकारी राजनीतिक नेतृत्व तथा निर्वाचन तयारी सम्बन्धी प्रशिक्षण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ कुवाँर । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके सामाजिक विकास मन्त्री सन्तोष कुमारी शर्मा महिलाहुकनहे राजनीति नेतृत्वमे आइल लाग मानसिक रुपमे तयार हुई पर्ना बटैले बटी ।

ओरेक नेपालके आयोजनामे धनगढीमे हुइल निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधिहुकनके लाग रुपान्तरणकारी राजनीतिक नेतृत्व तथा निर्वाचन तयारी सम्बन्धी पाँच प्रशिक्षण कार्यक्रमके समापन कार्यक्रममे सम्बोधन करटी सामाजिक विकास मन्त्री शर्मा उ बाट बत्वाइल रहिट ।

उहाँ महिलाहे आघे बह्रना भारी चुनौतीके सामाना करेपर्ना कहटी कौनोफे महिला आघे बह्रम कहिही कलेसे पहिले अपनही तयार हुई परठ कहली ।

मन्त्री शर्मा कहली,–महिलाहुक्रे सोचलहस ठाउँ नैपाके विछिप्ट हुके राजनीतिसे दुर हुइटी डेखल बा । महिलाहुक्रे पार्टी भिटर वा सक्कु ओर मन जिटके जाई नैसेक्लेसे राजनीतिक रुपमे आघे बह्रना कर्रा बा ।

मन्त्री शर्मा कहली, राजनीति कहल समाज सेवा हो । पैसाके राजनीति कैना चिज नैहो । आघे बह्रना पारिवारिक सहयोग सबसे भारी बा । मानसिकता,

राजनीतिक रुपमे तयार हुई परठ । सामाजिक सजालसे महिलाहे मानसिक हिंसा डेहल बा । क्षमतासे अव्वल बाटी कलेसे आघे बह्रे सेक्बी ।

कार्यक्रममे सहभागी कमला चौधरी पाँच दिने तालिमसे तथ्य ओ प्रमाणके साथ आघे बह्रना बाट सिखल बटैली । स्थानीय सरकार संचालन ऐनके बारेमे विस्तृत रुपमे जाने पाइलफे उहाँ बटैली ।

तालिममे सहभागी निर्मला संज्याल बास्तविक धारणा विना योजना ल्याने नैपर्ना बल्की तथ्य ओ प्रमाणके आधारमे आघे बह्रे पर्ना बाट जानल बटैली । निर्वाचन आचारसहिताबारे, राष्ट्रिय सभामे महिला कैसिक निर्वाचित हुइठै कना बाट, सामानुपतिक सहभागिताके बाट सिखल बटैली ।

ओस्टेक सहभागी सरितादास नेपाली महिलाहुक्रे नेतृत्व तहसे कैसिक पाछे परल बाट सिखल बटैली । महिलाहुक्रे सिमित कोटमे सिमिट हुइना बाट, उप्पर तहमे पुगे नैसेक्ना कारण जाने पाईल बाट सिखल बटैली ।

महिलाहुक्रे आघे बह्रेक लाग आपन सुरक्षा योजना बनाके आघे बह्रना बाट जानल बटैली । घोषणापत्र बनाई योजना बनाके आघे बह्रना बाट सिखल बटैली । उ तालिममे पाँच जिल्लाके ३१ जाने महिलाहुक्रे सहभागितामे तालिम लेहल रहिट । जेम्ने पहिल दिन नेपालके राजनीति परिदृश्य, सघीय लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था ओ स्थानीय सरकार, महिलाके राजनीतिक सभागिता, संर्वधानिक अधिकार ओ लैगिक समानता, रुपान्तरणकारी राजनीति नेतृत्व ओ महिला नेतृत्वके लाग आवश्यक दक्षता, व्यक्तिगत नेतृत्व यात्रा, राजनीतिक दृष्टिकोण ओ नेतृत्व विकास योजनाबारे बाट सिखागिल रहे ।

दुसरा दिन रुपान्तरणकारी नारी, महिलावादी तथा नैतिक नेतृत्वके सिद्धान्त, सार्वजनिक नेतृत्वमे जावफदेहिता, पारदर्शिता, सदाचारिता ओ सुशासन, निर्णय, वार्ता, द्वन्द समाधान तथा सहमति निर्माण, भावानात्मक वृद्धिमता उत्थानशिलता, राजनीतिक आत्मविश्वास तथा नेतृत्व मार्गदर्शनके बाट सिखागिल रहे ।

टिसरा दिन नेपालके निर्वाचन प्रणाली, निर्वाचन कानून तथा राजनीनिक दल, राजनीतिक रणनीति दलसंगके संलग्नता तथा उम्मेदवार मनोनयनके तयारी, निर्वाचन अभियान योजना, निर्वाचन क्षेत्रके नक्साङकन तथा स्रोत परिचालन, निर्वाचन अभियान व्यवस्थापन, कोष संकलन तथा स्वयसेवक परिचालनके बाट सिखागिल रहे ।

ओस्टे करके चौठा दिन स्थानीय सरकारमे कार्यकारी नेतृत्वमे भूमिका तथा जिम्मेवारी, लैगिक उत्तरदायी तथा समावेशी शासन, लैगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण ओ लैगिक उत्तरदायी बजेट, प्रमाणमे आधारित योजना, सार्वजनिक वित्त, सेवा प्रवाह तथा सामाजिक जवाफदेहिता, सरोकारवालासंगके संलग्नता, संञ्जाल निर्माण, गठबन्धन (बाँकी,४ पेजमे)

सखिया नाँचके रौनक सुरू

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ कुवाँर । कैलालीके थारु बस्तीमे परम्परागत सखिया नाँचके रौनक सुरू हुइल बा ।

डसिया लग्गे हुइलसंगे थारु समुदायसे गाउँघरमे सखियाके 'पैँया' (सखिया नृत्य) डेखाई लागल हुइट । अट्वारी पर्व लगटे सखियाके पैँया सुरु कैना चलन रहल धनगढी उपमहानगरपालिका–८ धनगढी गाउँके सूर्य चौधरी बटैलै ।

यी पर्व सेकलपाछे गाउँघरमे डसियाके तयारीस्वरूप परम्परागत एवम् मौलिक नृत्य सखिया नाँचके पैँया लगाई लागल बा । टमान गाउँके महिलासे साँझके सामूहिक रूपमे सखिया नाँच नाँचे लागल बटै ।

कैलारी गाउँपालिका–६ बेनौली गाउँफे सखिया नाँच नाँचेक लाग बजैना मन्डराके तालले गुञ्जायमान हुई लागल बा । यी गाउँके महिला, लउण्डीसे सखियाके पैँया लगाई लागल बटै । पैँया गीतविहीन नृत्य रहल बटाजाइठ । डसियामे भर गीत गैटी सखिया नाँच डेखैना करल जनाइल बा ।

अट्वारी पर्व मनासेकलपाछे गाउँमे सखियाके पैँया लगाई लागल बेनौलीके सखिया नाँचके मंदरिया वेद्प्रसाद महतो बटैलै । उहाँ हरेक साँझसे पैँया लगैना कार्य सुरू हुके रात १० बजेसम सखियामे रमाई लागल जानकारी डेलै । महतो कहलै, "अब यहाँसे डसियासम गाउँमे सखिया नाँचके पैँया लगैठी ।"

मन्डरा ओ मजिराके तालमे लउण्डी वा महिलासे सामूहिक रूपमे सखिया नाँच नाँच्न करठै । मन्डरा बजैना 'मंदरिया'के निर्देशन ओ मन्डराके ताल (खोट)अनुसार ओइने टमान तरिकाके नाँच डेखैना करल बटाजाइठ । संघरीयाहुक्रे मिल्के सामूहिक रूपमे नँच्न नृत्य हुइल ओरसे यी नाँचहे सखिया नाँच कहल हो ।

थारु समुदायमे महिलासे महिला संघरियाहे 'सखी' कना करठै । संघरिया मिल्के नँच्न नाँच हुइल ओरसे यिहीहे सखिया नाँच कहल बटाइल बा । सखिया नाँच थारु समुदायके मौलिक लोक नृत्य हो ।

वसन्तामे बाघ बैठे सेक्ना सम्भावना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ कुँवार । कैलालीके वसन्ता वनसहित संरक्षण क्षेत्रबाहरके अन्य बन्वामे आगन्तुक पाटेबाघ स्थायी रूपमे बसोबास करे सेक्ना सम्भावना बह्रटी रहल राष्ट्रिय प्रकृति संरक्षण कोष (एनटिएनसी) से जनैले बा ।

भारतके टमान संरक्षित क्षेत्रसे डमरु बह्राइक लाग अइना वा कमजोर बाघ यहाँके बन्वामे स्थायी रूपमे बसोबास करे सेक्ना सम्भावना बह्रटी गैल हो ।

देहरादुन–राजाजी–जिम कर्बेट–रामनगर–पिलिभित दुधुवा कम्प्लेक्समे ७५७ ठो बाघ रहल बटै । उ मध्ये कमजोर वा डमरु हुइल बाघ हरेक बरस वसन्ता, मोहना–लालझाडी कोरिडोर ओर आके जैना करल ओरसे आब ओइसीन बाघ यहोँरे स्थायी रूपमे फेन बैठे सेक्ना सम्भावना रहल एनटिएनसी शुक्लाफाँटाके प्रमुख लक्ष्मीराज जोशी बटैलै ।

उहाँके अनुसार इ मेरके बाघ आब जहोँर टहोँरसे यहाँके बन्वामे अइना कार्य हुइटी रहल बा । जोशी कहलै, "कौनो फेन बेला आब बाघ ओहोरदोहोर करटी रहल बटै । सुरक्षित ठाउँसे निकरके जहोँरटहोँरसे यहाँ अइटी रहल बाघ स्थायी रूपमे फेन बैठे सेक्ना सम्भावना रहल बा ।"

पिलिभित ओरके १० प्रतिशत बाघ टे झन् बन्वा छोरके गन्ना बारीमे बैठ्ना करल जनाइल बा । ओइसीन गन्नक खेट्वाके बाघ फेन कैलाली, कञ्चनपुर पुग्टी रहल बटै । गन्नाबारीके बाघ कञ्चनपुरमे दुई महिलाके ज्यान लेसेकल जोशी बटैलै ।

"गन्नाबारीमे औरे जनावर फेन हुइना हुइल ओरसे बाघनहे सजिले आहारा प्राप्त हुइना करठ," उहाँ कहलै, "मनै घाँस कट्नासे अन्य कामके लाग गन्ना लगाइल खेट्वा ओर जाइबर अइसीन बाघ मनै फेन मरटी रहल बटै ।" सुरक्षित क्षेत्रसे निकरल वन्यजन्तुके आहारविहारके लाग संरक्षण क्षेत्र आँजरपाँजर बफर जोन बनैना करल बा मने बफर जोन हुइ पर्ना ठाउँमे अचेल खेती ओ मानवबस्ती रहल ओरसे संरक्षित क्षेत्रसे निकरल वन्यजन्तु सिढे बस्तीमे पुगल जनाइल बा ।

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

भयानक बाढ रोक्न उपाय

विचार
डा. लोक बराल

नेपाल हिमालयके काखमे अवस्थित जलस्रोतके दृष्टिसे अत्यन्त सम्पन्न देश हो । हिमालसे उत्पन्न हुइल नदी– कोशी, गण्डकी, कर्णाली, महाकाली तथा ओकर सहायक नदीसे नेपालके सामाजिक, आर्थिक, कृषि तथा ऊर्जा विकासमे महत्वपूर्ण भूमिका खेलल बा मने यिहे हिमाली भूगोल अब्बे जलवायु परिवर्तनके कारण नयाँ मेरिक जोखिमके केन्द्र बन्टि गैल बा । तापक्रम बह्रके हिमनदी तीव्र गतिमे पग्लटि बा । हिमताल विस्तार हुइल बा ओ हिमताल विस्फोटजन्य बाढ अर्थात् ग्लेसियल लेक आउटब्रस्ट फ्लड (ग्लोफ) के जोखिम बह्रल बा ।

नेपालमे दुई हजार तीन सयसे ढेर हिमताल पहिचान करल बा । कुछ उच्च जोखिममे रहल बा । सन् २०२४ मे थामे क्षेत्रमे रहल लहरे ग्लोफ अर्थात् एक हिमतालके विस्फोटपाछे क्रमशः औरे ताल ओ औरेपाछे औरे विस्फोट कराके असर पुगो भारी बाढ सिर्जना करे सेकि कना बाट स्पष्ट कराइल । अध्ययन अनुसार करिब ७.७ लाख घनमिटर पानी एक चो निकरना ओ बाढके प्रारम्भिक अधिकतम बहाब आठ सय घनमिटर/सेकेन्डसे ढेर पुगल रहे । दीर्घकालीन राष्ट्रिय अवधारणा आगे सारे सेकि, नदीके सक्कु जलाधारहे समेट्ना मेरिक क्रमिक वा शृंखलाबद्ध अर्थात् क्यास्केडके रूपमे अति मजबुत संरचनाके बाँध, जलाशय तथा नियन्त्रण संरचना निर्माण करना प्रणाली ।

शृंखलाबद्ध बाँध प्रणाली

क्यास्केड (शृंखलाबद्ध) बाँध प्रणाली कलेक नदीके एक ठाउँमे किल भारी बाँध बनैना नाइहो, बल्की माथिल्लो जलाधारसे तल्लो मैदानसम उपयुक्त स्थानमे क्रमबद्ध रूपमे बलगर बाँध ओ पानी नियन्त्रण करना संरचना बनैना हो । यी प्रणाली अनुसार माथिल्लो क्षेत्रमे छोट तथा मध्यम आकारके बलगर बाँध, बिचके क्षेत्रमे पानी जम्मा करना जलाशय ओ गेग्रान थुन्ना संरचना तथा तल्लो क्षेत्रमे बाढ नियन्त्रणाके संरचना निर्माण करजाइठ । अइसिके बाढके भारहे एक ठाउँमे परे नैडेना क्रमशः नियन्त्रण, भण्डारण ओ सुरक्षित रूपमे निकास करे सेक्जाइ ।

हिमाल पगलके अइना सामान्य पानीहे टे जलाशयमे जम्मा करे सेक्जाइ मने मुख्य समस्या अचानक अइना हिमताल विस्फोट (ग्लोफ), हिमपहिरो ओ लेदोसहितके बाढसे सिर्जना करठ । टबेमारे अइसिन क्यास्केड बाँध प्रणालीमे बाढ रोक्न जलाशय, गेग्रान थुन्ना संरचना, अतिरिक्त पानी ओ आपत्कालीन रूपमे पानी फेक्ना मार्ग, नियन्त्रित निकासद्वार, स्वचालित पानीके सतह जच्ना प्रणाली, वर्षा तथा हिमनदी निगरानी केन्द्र ओ तल्लो तटीय क्षेत्रके लाग पूर्वसूचना प्रणाली अनिवार्य करे परठ । यिहिनसे माथिल्लो क्षेत्रसे आइल बाढके अत्यधिक बहाबहे क्रमशः घटैटि सुरक्षित रूपमे तरे पठाइ सेक्जाइ ।

भारी बाँधसे ढेर बाँध

एक विशाल बाँधमे सक्कु नदी प्रणालीके जोखिम केन्द्रित रहठ । ओम्ने प्राविधिक समस्या आइलमे ओरक प्रभावसे तल्लो तटमे और भारी जोखिम नाने सेकि मने क्यास्केड बाँध प्रणालीमे पानीके ऊर्जा ओ मात्रा टमान तहमे बाँटठ । उदाहरणके लागः बाँध–१ रु बाँध–२ रु बाँध–३ रु बाँध–४ रु बाँध–५ मे पहिल बाँधसे कुछ पानी तथा थेग्ग्रान नियन्त्रण करठ । बाँकी पानी दोसरमे पुगठ । दोसर फेन ओकर अधिक बहाबहे घटाइठ । अइसिके प्रत्येक तहसे चित्रमे देखाइल जस्टे क्रमशः कुछ ऊर्जा ओ बहाब नियन्त्रण करठ ओ तल्लो तटके बस्ती ओ संरचना बचैना काम रहठ । यिहिनहे 'तहगत बाढ नियन्त्रण प्रणाली' कहे सेक्जाइ ।

भयानक बाढ रोक्ना नयाँ उपाय

भयानक बाढ रोक्न यी नयाँ अवधारणाके सबसे भारी फाइदा का हो कलेसे, यदि यी अन्तर्गत बनल संरचनामध्ये ए किल भस्कल वा बिग्रि कलेसे फेन बाँकी संरचनासे तल्लो क्षेत्रमे अइना बाढके जोखिमहे धेर हदसम घटाइ सेकि मने यी बाट वैज्ञानिक रूपमे परीक्षण कैके किल पक्का करे परठ ।

आज जलवायु परिवर्तनके कारण पगलल हिमालके पानीहे केवल विपत्ति वा डरके रूपमे किल हेरे नैपरठ । यिहिनहे हम्रे नियन्त्रण कैके मजा काममे लगाइ सेक्ना सुनौलो अवसरके रूपमे बुझ्के परठ । अइसिके पानी जम्मा करना बनाइल पोखरी वा बाँधसे हम्रे टमान मेरिक फाइदा लेहे सेक्ठि । जस्टेः बिजुली निकरना, खानेपानीके जोहो करना, सुक्खा याममे खेतीबालीके लाग सिँचाइ करना, नदीमे पानीके प्राकृतिक बहाब जोगैना, बाढके जोखिम घटैना ओ समग्र जलस्रोतहे व्यवस्थित बनाइ सेकि । नेपालमे अब्बे तुल्सी जस्टे खतरनाक हिमताल फुट्ना जोखिम कम करना कामसँगे वहाँसे जलविद्युत् निकारे सेक्ना कि कहिके अध्ययनसमेत हुइल बा ।

क्यास्केड बाँध ओ भौगोलिक उष्णीकरण

वैज्ञानिकहुकनके कहाइ अनुसार केवल बाँध किल बनैटिमे पृथ्वीके तापक्रम घटि्ट, काहेकि ग्लोबल वार्मिङके मुख्य कारण पृथ्वीमे बह्रल हरितगृह ग्यासके उत्सर्जन हो मने यी शृंखलाबद्ध (क्यास्केड) प्रणालीसे अप्रत्यक्ष रूपमे जलवायु परिवर्तनके असर कम करना टमान मेरिक सहयोग पुगे सेकि । पहिल बाट, अइसिके जलाशयमे जम्मा करल पानीसे स्वच्छ जलविद्युत् उत्पादन करे सेक्ना, उहिनसे कोइला वा डिजेल जस्टे खनिज इन्धनके प्रयोग घटैना भारी मद्दत पुगि । दोसर बाट, यी टमान जलाशयसे एकसाथ विद्युत्, सिँचाइ ओ खानेपानी उपलब्ध करैटि पानीके सही सदुपयोग हुइठ । तेसर बाट, अइसिन परियोजनासँगे वन जोगैना, वृक्षरोपण करना, पहिर तथा माटि कटान रोक्न काम फेन सँगसँगे करे सेक्जाइ । चौडा बाट, जलवायु परिवर्तनके कारण अइना भयानक बाढसे हुइना मानवीय ओ भौतिक क्षति जोगैना फेन जलवायु अनुकूलनके एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो । नेपालमे अइसिन प्रकोपविरुद्ध लड्न अब्बे अन्तर्राष्ट्रिय जलवायु कोषसे समेत विशेष प्राथमिकता डेहे लागल बा ।

यिहिनहे केवल 'क्यास्केड बाँध परियोजना' किल कनासे 'बहुउपयोगी एकीकृत नदी–जलाधार क्यासकेड व्यवस्थापन प्रणाली' कना और उपयुक्त रहि । यी प्रणाली जम्मा पाँच ठो मुख्य तहमे बाँटल रहठ । पहिल तह हिमनदी तथा हिमतालके निगरानी करना तह हो, ओम्ने उपग्रह, ड्रोन ओ स्वचालित सेन्सरमार्फत हिमालके गतिविधि लगातार हेरजाइठ । दोसर तह उच्च हिमाली सुरक्षा संरचना हो, जहाँ जोखिमपूर्ण बनल हिमतालके पानी घटैना ओ लेदो बहना प्रक्रियाहे नियन्त्रण करना संरचना बनाइठ । तेसर तह माथिल्लो क्यास्केड जलाशय हो, उहिनसे अचानक हिमताल फुट्ना घटना, हिउँ पग्लके अइना पानी ओ मनसुनी बाढके सुरुवाती बहाबहे रोकठ । चौठा तहमध्ये क्यास्केड हाइड्रोपावर जलाशय हो, जहाँ पानीके बहाबहे नियमित करटि सँगसँगे विद्युत् उत्पादन करजाइठ । पाँचौं तथा अन्तिम तह तल्लो क्षेत्रके बाढ रोक्न प्रणाली हो, ओम्ने पानी समथर मैदानमे पुग्नआघे अत्यधिक बाढहे नियन्त्रण करना पोखरी बनैना, बलगर तटबन्ध लगैना ओ डुबान क्षेत्रहे सुरक्षित रूपमे व्यवस्थापन करना काम करजाइठ ।

यी अवधारणाके सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पक्ष कलेक पानीके तीव्र गति वा वेग (काइनेटिक इनर्जी) हे व्यवस्थापन करना हो । अचानक हिमताल फुट्के पानी धेर मात्रामे किल नैआइठ, अति उच्च वेग ओ तागतके साथ बहठ, उहिनसे ओकर गति ऊर्जा फेन अत्यधिक रहठ । यदि नदीमे शृंखलाबद्ध (क्यास्केड) संरचना बनाइल बा कलेसे पानीके यी खतरनाक गतिहे चरणबद्ध रूपमे रोके सेकठ । सुरुमे हिमताल फुट्नआघेक स्थिर पानीके ऊर्जा, फुटलपाछे उत्पन्न हुइना भयानक गति ऊर्जा ओ ओकरबाद क्यास्केड बाँधसे उहिनहे रोकके नियन्त्रण करना प्रक्रियामार्फत बाढके उ विनाशकारी शक्तिहे क्रमशः कमजोर ओ सुरक्षित बनाइ सेकि । यिहे कारणसे क्यास्केड बाँध प्रणालीहे पानी किल थुपरना एक सामान्य प्रविधिसे फेन नदी ओ जलाधारहे सुरक्षित ढरना बहुउपयोगी ओ वैज्ञानिक व्यवस्थापन प्रविधिके रूपमे बुझ्के परठ ।

सम्पूर्ण नदी जलाधार व्यवस्थापनके रूपमे विकास कैके सुरक्षित तवरसे बहुआयामिक फाइदा लेहे सेक्जाइ कलेसे तथ्य टे वस्तुपरक रहठ मने नदीमे बाँध बनैना समाधान नाइहो कना औरे अवधारणा फेन हुइ सेकि काहेकि हरेक नदीमे मजबुत कङ्क्रट बाँध निर्माण करना वातावरणीय तथा आर्थिक रूपमे उपयुक्त नैरहठ । टबेमारे बाँध निर्माणआघे भौगर्भिक स्थिरता, भूकम्पीय जोखिम, थेग्ग्रान भार, नदीके संरचना, जैविक विविधता, माछाके बसाइँसराइ, समुदायके विस्थापन, वातावरणीय प्रवाह, जलवायु पूर्वानुमान जस्टे अवयवके विस्तृत अध्ययन हुइना आवश्यक रहठ ।

विशेष कैके ग्लोफ–बाडीके छालसे अत्यन्ते भारी गेग्ग्रानयुक्त लेदो बोकके आइठ । टबेमारे केवल सामान्य कङ्क्रट बाँधसे अइसिन जोखिम सामना करठ कना माने नैमिलि । पुरान अध्ययनसे फेन ग्लोफके पानीसँग अत्यधिक ठेग्ग्रान अइना ओ उहिनसे नदीके कटान तथा पहिरो जोखिम बह्रैना देखाइल बा । नेपाल भविष्यमे नदीहे केवल छुट्टाछुट्टे जलविद्युत् आयोजनाके रूपमे किल हेरै । यिहिनहे सिंगो नदी जलाधार (बेसिन) के रूपमे व्यवस्थापन कैके सुरक्षित तरिकासे बहुमुखी फाइदा लेहे सेक्जाइ । यकर मुख्य उदाहरण यी मेरिक बा :

- कोशी बेसिन : हिमताल, अरुण ओ भोटेकोशी क्षेत्र, सुनकोशी हुइटि सप्तकोशी ।
- गण्डकी बेसिन : माथिल्लो हिमाली क्षेत्र, कालीगण्डकी, मर्स्याङ्दी ओ बुढीगण्डकी हुइटि नारायणी ।
- कर्णाली बेसिन : हिमाली जलाधार, कर्णाली तथा यसका सहायक नदी हुइटि तल्लो कर्णाली ।
- महाकाली बेसिन : उच्च हिमाली जलाधार ओ महाकाली नदी हुइटि तराई ।

अइसिके प्रत्येक जलाधार क्षेत्रके लाग छुट्टे हिमनदी, बाढ ओ ऊर्जासम्बन्धी एकीकृत गुरुयोजना बनाइ सेकि । नेपाल आब बाढ आइलपाछे किल राहत बाँड्ना पुराने शैली बदले परल । यकर लाग हाम्रे यी बाटमे ध्यान डेहे परठः पहिले बाढके पूर्वानुमान करना, नदीके निरन्तर निगरानी करना, वर्षाके पानी संकलन करना, बाढके बहाबहे नियन्त्रण करना, सुरक्षित रूपमे ऊर्जा उत्पादन करना ओ जनताके ज्यान ओ सम्पत्ति बचैटि देशहे समृद्ध बनैना ।

निष्कर्ष

नेपालके हिमालहे केवल विपत्के स्रोत माने नैपरठ हिमालके पानी जोखिमसँगे समृद्धिके सम्भावना फेन हो । वैज्ञानिक आधारमे नदीभर क्यास्केड बाँध, जलाशय गेग्ग्रान नियन्त्रण ओ पूर्वसूचना प्रणाली बनैटि आकस्मिक बाढ ओ हिमताल विस्फोट (ग्लोफ) के क्षति घटैना तथा जलविद्युत् उत्पादन करे सेकि ।

आबके नीति 'हिमनदीके जोखिमहे क्यासकेड बाँधसे व्यवस्थापन करना, बाढहे सामना किल नैकैके नियन्त्रण करना ओ पानीहे ऊर्जा तथा विकासमे रूपान्तरण करटि समृद्धि हासिल करना' हुइ परठ । अइसिके नदी–जलाधार क्यास्केड प्रणालीहे जलवायु अनुकूलन, बाढ नियन्त्रण, ग्लोफ न्यूनीकरण, जलविद्युत् उत्पादन ओ दीर्घकालीन जलस्रोत व्यवस्थापन जोड्न प्रभावकारी राष्ट्रिय रणनीतिके रूपमे आगे बह्राइ सेकि ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ४ उत्तर बेहडी स्थित कित्ता नं. १३३४ क्षेत्रफल ६७१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री लोकबहादुर खड्काले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सडक र लोकबहादुर खड्का	पश्चिमः सडक
उत्तरः सडक	दक्षिणः बुद्धिबहादुर खड्का

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १ सेतोपुल स्थित कित्ता नं. ३१८ क्षेत्रफल ३३८.६३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री माया देवी जोशीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः धना देवी सिंह	पश्चिमः सडक
उत्तरः सकुन्तला देवी खनाल	दक्षिणः नित्याज मिनिरल प्रालि

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ हसनपुर स्थित कित्ता नं. ६४ क्षेत्रफल ७८५.४८ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री बिचुलाल चौधरीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः बिचुलाल चौधरी	पश्चिमः सडक
उत्तरः पुरन चौधरी	दक्षिणः प्रयागदत्त भट्ट

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १ कृष्णमार्ग टोल स्थित कित्ता नं. १०६१ क्षेत्रफल १६९.६१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री भूमी देवी शर्माले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः ललित बहादुर बोहरा	पश्चिमः पार्वती देवी भण्डारी
उत्तरः गणेशदत्त भट्ट र चुनु चौधरी	दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर २ सन्तोषी टोल स्थित कित्ता नं. १३२ क्षेत्रफल ३०७ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री अर्चना चौधरीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः नृपबहादुर कुँवर, धनबहादुर बोहरा	पश्चिमः सडक
उत्तरः नरबहादुर चौधरी	दक्षिणः सुकिरम चौधरी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ बडहरा टोल स्थित कित्ता नं. २११, २२१ क्षेत्रफल १६९.२२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री बिमलाकुमारी बडवालले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः गजेन्द्रबहादुर दौल्याल	पश्चिमः खगिसराकुमारी सापकोटा र बिमलाकुमारी बडवाल
उत्तरः सडक	दक्षिणः बन्दना दाहाल

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

"लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"

विपद्‌पाछे बनल संसदीय विशेष समिति सक्रिय नैहुइल

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, १२ कुवाँर । रसुवाके भोटेकोशीमे गैल विनाशकारी बाढपाछे काम कैना संसदीय विशेष समिति गठन हुइल बा। मने, यी गठन हुइलपाछे सक्रिय हुई सेकल नैहो।

भदौ १० गते रसुवाके भोटेकोशीमे बाढ गैल हो। ओकरपाछे रसुवा, नुवाकोट, धादिङसे चितवनसमके नदी तटीय क्षेत्रमे भारी क्षति हुइल। एक हजार चार सय ढेर शव फेला परल बटै। ६ हजार ढेर बेपत्ता बटै। अर्बौंके भौत्तिक क्षति हुइल बा। यी पृष्ठभूमिमे विपद्‌पाछेक खोज, उद्धार, राहत ओ पुर्नस्थापनासममे नीतिगत रुपमे सहयोग कैना करके संसदीय समिति गठनके माग तुरुन्ते उठल रहे। ११ भदौंमे बैठल सर्वदलीय बैठकसे संसदभिटर सर्वदलीय संयन्त्र गठनके निर्णय करल रहे।

मने, ढिला करके कुवाँर ५ गते केल्ह संसदीय विशेष समिति गठन हुइल। प्रतिनिधिसभाके बैठकमे सभामुख डीपी अर्यालसे 'हिमालमे जलवायु परिवर्तन तथा भोटेकोशी(त्रिशूली विपद् सम्बन्धी संसदीय विशेष समिति गठनके प्रस्ताव' प्रस्तुत करल रहिट। जिहीहे सभासे सर्वसम्मतिसे स्वीकार करल रहे। समिति बनलपाछे फेर यी सक्रिय हुई सेकल नैहो।

संसदीय विशेष समितिके सदस्यहुकनके अनुसार यकर पहिल बैठक बैठे सेकल नैहो। पहिल बैठक बैठलपाछे संयोजक चयन कैना ओ समितिके कार्यविधि बनैना काम हुई।

१५ सदस्यीय समितिमे सांसदहुक्रे अच्युतम लामिछाने, अनुष्का श्रेष्ठ, गंगादेवी श्रेष्ठ, गणेश पराजुली, धनन्जय रेग्मी, ुबराज राई, निशा डाँगी, पुष्पाराज कँडेल, मोहन आचार्य, मिङमाग्याबु शेर्पा, रमेश कुमार मल्ल, रविन्‍ पटेल, सरस्वती लामा, सुजाता तामाङ ओ सीता थपलिया सदस्य रहल बटै।

समितिके कार्यअवधि तीन महिना तय करल बा। पाछे समितिके म्याद थप करे सेक्ना प्रावधानफे राखल बा। समितिके कार्यदेशमे हिमालमे जलवायु परिवर्तनके प्रभावके अध्ययन कैना रहल बा।

हिमाली तापक्रम, हिमपात, हिमनदी, हिमताल तथा जलाधारमे हुइटी रहल परिवर्तन ओ उहीसे उत्पन्न जोखिमसम्बन्धी उपलब्ध अध्ययन तथा तथ्यांकके समीक्षा कैना, अध्ययन तथा निगरानीमे रहल कमी पहिचान करके वैज्ञानिक अनुसन्धान ओ नियमित अनुगमन सुदृढ कैना उपाय सिफारिस कैना रहल बा।

भोटेकोशी–त्रिशुली विपद्‌के कारण तथा प्रभावके अध्ययन करके यी अन्तर्गत विपद्‌के उत्पत्ति, घटनाक्रम, तत्काल कारण ओ जोखिम तीव्र बनैना कारकके विज्ञ तथा वैज्ञानिक प्रमाणमे आधारित अध्ययन कैना, जलवायु परिवर्तनसंगके सम्भावित सम्बन्ध, सीमापार जलाधारके प्रभाव तथा तरेक तटीय क्षेत्रमे परल असरके समीक्षा कैना कार्यादेश डेहल बा।

खोज, उद्धार, राहत तथा पुनर्स्थापनाके समीक्षा अन्तर्गतफे समितिसे काम करी। विपदसे प्रभावित जनताके न्यायोचित सम्बोधनके लाग खोज तथा उद्धार, वेपत्ता नागरिकके अवस्था, राहत वितरण, सुरक्षित अस्थायी बसोबास, आधारभूत सेवा ओ जीविकोपार्जन पुनर्स्थापनाके समीक्षा कैना, प्रभावित नागरिकके आवश्यकताके आधारमे तत्काल तथा मध्यमकालीन सुधारके उपाय सिफारिस कैना अधिकार डेहल बा।

'क्षतिग्रस्त आवास, सडक, पुल, ऊर्जा, खानेपानी, सिँचाइ तथा सार्वजनिक पूर्वाधारके पुनर्निर्माणके लाग जोखिम मूल्यांकन, सुरक्षित स्थान छनोट, प्राविधिक मापदण्ड, प्राथमिकता, वित्तीय स्रोत ओ समयसीमासहितके मार्गचिव सिफारिस कैना, कार्यान्वयनके गुणस्तर, पारदर्शिता तथा प्रगतिके अनुगमन कैना' कार्यादेशमे उल्लेख बा। विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा पूर्वचेतावनी प्रणालीसे समितिसे अध्ययन करके सुझाव डेना बा।

बहुप्रकोप जोखिम नक्सांकन, सुरक्षित बस्ती विकास, संवेदनशील पूर्वाधारके संरक्षण ओ समुदायके पूर्वतयारीके उपाय सिफारिस कैना, हिमताल, नदी, वर्षा तथा पहिरोके निगरानीसे समुदायसम चेतावनी ओ सुरक्षित स्थानान्तरणसमके प्रणाली सुदृढ कैना कार्यढाँचा निर्माण करके सिफारिस कैना' समितिके कार्यक्षेत्र बा।

कार्बन उत्सर्जन, जलवायु न्याय तथा हानि नोक्सानीके विषय समितिसे हेरी। यी अन्तर्गत कार्बन उत्सर्जनके ऐतिहासिक तथा वर्तमान जिम्मेवारी ओ नेपालसे भोगल जलवायु जोखिमसम्बन्धी उपलब्ध प्रमाणके समीक्षा कैना, प्रभावित नागरिकके हानि तथा नोक्सानी अभिलेखीकरण, जलवायु वित्तमे पहुँच तथा अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चमे नेपालके दाबी ओ धारणा प्रस्तुत कैना आधार सिफारिस कैना अधिकार डेहल बा। जलबायु कूटनीति तथा सीमापार सहकार्यके सम्भावना खोज्न कहल बा।

सांसद कठरियासे किसानहे राहत ओ व्यवस्थापनके माग

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, १२ कुँवार । नेपालके कृषि क्षेत्रसे भोग्टी आइल मलके अभाव ओ भर्खरे आइल बाढीपहिरोसे पुगाइल क्षतिप्रति चिन्ता व्यक्त कैटी राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) के सांसद करिश्मा कठरिया सरकारके ध्यानाकर्षण कराइल बटी।

सोम्मारके प्रतिनिधि सभा बैठकमे विशेष समय लेके बोल्टी उहाँ सरकारी बेवास्ता ओ प्राकृतिक विपत्तिके दोहोरो मारमे किसान पिल्सल कहटी तत्काल राहत ओ व्यवस्थापनके माग करल हुइटी। सांसद कठरिया हरेक बरस असार महिनामे किसान मलके हाहाकार व्यहोरे पर्ना नियति दोहोरटी रहल कहटी सरकारके कार्यशैलीउपर प्रश्न उठाइल हुइटी।

समयमे मल नैपाके उत्पादनमे ह्रास अइना निश्चित प्रायः बा कलेसे, औरे ओर अविरल वर्षाके कारण खेट्वामे बाली नोक्सान हुइलपाछे किसान थप संकटमे परल बटै। किसानसे दुःख कैके उत्पादन करल धान बिक्री कैना समेत कठिनाइ भोग्टी रहल उहाँ जिकिर करल रही। खाद्य संस्थानमे हप्तौं लाइन बैठ्लेसे समेत सरकारसे टोकल न्युनतम समर्थन मूल्य पाइ नैसेकके किसान बाध्य होके कौडीके भाउमे व्यापारीहे बाली बेच्न विवश हुइल सांसद कठरियाके कहाइ रहल बा।

'समयमे मल दिन नैसेक्लेसे फेन कम्तीमे अब्बे बाली कट्ना बेलामे सरकारसे आपन उपस्थिति डेखैना आवश्यक बा,' उहाँ कहली। उहाँ स्थानीय तहसँग प्रत्यक्ष समन्वय कैटी तत्काल प्रभावकारी रूपमे धान खरिदके प्रक्रिया आघे बह्रैना ओ किसानहे राहत प्रदान कैना सरकारसँग माग करल रही।

मानव बेचबिखन नियन्त्रण विधेयकमे १११ ठो संशोधन प्रस्ताव दर्ता

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, १२ कुवाँर । मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) (पहिल संशोधन) विधेयक २०८३ मे १११ ठो संशोधन प्रस्ताव दर्ता हुइल बा । २८ जाने सांसदसे १११ ठो संशोधन प्रस्ताव दर्ता करल हुइट ।

संशोधनकर्ता सांसदहुकनमे इन्दिरा राना, हर्क राज राई, आरेन राई, रेनुका काउँचा, पवित्रा बिक, मदन कृष्ण श्रेष्ठ, डा. प्रमिलाकुमारी गच्छ्दार, मनमाया विश्वकर्मा, गीता गुरुङ, सन्दीप राना, सुशीला ढकाल (आचार्य), गीताकुमारी सेन्दाङ, सुलभ खरेल, गणेशबहादुर विश्वकर्मा, पार्वती बिक, भीमकुमारी बुढामगर, निराशा चौधरी (डंगौरा) रहल बटै ।

ओस्टेक करके, सांसदहुक्रे लिमा अधिकारी (आचार्य), प्रकाशचन्द्र परियार, गंगादेवी श्रेष्ठ, निशा डाँगी, भरतप्रसाद पराजुली, सुम्नीमा उदास, मनिष झा, साजिदा खातुन सिद्धिकी, ऐनबहादुर महर, एशुदाकुमारी बराल, सुशील खड्का, नितिमा भण्डारी (कार्की), पद्माकुमारी अर्याल, मनिष खनाल, भूमिका श्रेष्ठ, गणेश कार्की, समिक्षा बास्कोटा ओ रमेशकुमार मल्लसेफे संशोधन प्रस्ताव रख्ले बटै ।

संगठित अपराधके रूपमे विश्वभर फैलल मानव बेचबिखनसे प्रभावित व्यक्तिके आत्मसम्मान, स्वतन्त्रता ओ मौलिक हकके संरणक्ष कैना उद्देश्यसे यी विधेयक सरकारसे ल्यानल हो ।

यी विधेयक महिला, बालबालिका, लैंगिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक ओ सामाजिक सुरक्षा मन्त्री सिता बादीसे गैल १४ सावनमे प्रतिनिधिसभामे दर्ता करल रहिट । ओकरउप्पर प्रतिनिधिसभामे सैद्धान्तिक छलफल हुसेकल बा । ओकरपाछे सांसदहुक्रे विधेयकउपर संशोधन प्रस्ताव राखल हुइट ।

मन्त्री बादीके अनुसार बेचबिखनके उच्च जोखिममे रहल तथा बेचबिखन तथा ओसारपसारमे परल पीडितके न्यायमे पहुँचके सुनिश्चिततत्ता कैना, स्वदेशमे वा विदेशमे मानव बेचबिखन तथा ओसारपसारके कसुरके आरोप लागल व्यक्तिहे कानुनके दायरामे ल्यन्ना ओ दण्ड सजायके दायराहे फरछवार बनैना उद्देश्यसे विधेयक ल्यानल हो ।

मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार नियन्त्रणके लाग संघीय संरचना बमोजिम तीनु तहमे संयन्त्र निर्माण करके तीनु तहके सरकारहे जिम्मेवार बनैना, पीडित तथा प्रभावितके उद्धार तथा पुनर्स्थापना सम्बन्धी कार्यहे कानुनी रूपमे स्पष्ट करे खोजल बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ मनेहरा हुलाकी रोड स्थित कित्ता नं. ८०६ क्षेत्रफल २२५८ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री केतकी राना थारुले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः पूर्ण कझानाल | पश्चिमः प्रभाकर भण्डारी
उत्तरः गणेश साउद | दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ४ उत्तर बेहडी स्थित कित्ता नं. ३६१ क्षेत्रफल २६८.९१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री रामा साउँदले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः ज्ञानबहादुर डंगौरा | पश्चिमः राधिका पन्त
उत्तरः सडक | दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

नेपाल सरकार
शहरी विकास मन्त्रालय
धनगढी नगर विकास समिति
धनगढी, कैलाली

फोन नम्बर – ५२२१०२

प.सं.–०८३/०८४
च.न. २२

(तेश्रो पटक प्रकाशित मिति–२०८३/०६/१२ गते ।

सपिङ कम्पलेक्सका सटर भाडामा दिने सम्बन्धी सिलबन्दी दरभाउ पत्र आवह्वानको ७ दिने सूचना ।

यस धनगढी नगर विकास समितिको स्वामित्वमा रहेका सपिङ्ग कम्पलेक्स भवनका सटर जे जसो अवस्थामा छन निम्न सर्तको अधिनमा रही सिलबन्दी दरभाउपत्र मार्फत बढाबढको माध्यमबाट भाडामा लगाउनु पर्ने भएकोले इच्छुक फर्म कम्पनी वा व्यक्तिहरुले यस समितिको कार्यालयबाट दरभाउपत्र खरिद गरी दरभाउपत्रमा उल्लेखित आवश्यक न्यूनतम भाडा दरमा नघटने गरी रितपुर्वक दरभाउपत्र पेश गर्न हुन यो ७ दिने सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

शर्तहरु

१. घरको सटर तथा कोठा(हल) को मासिक बहाल रकम देहाय अनुसार कायम गरिएको छ ।

सि.नं.	ब्लक र सटर नम्बर	संख्या	प्रति सटर न्युनतम मासिक बहाल	कैफियत
१.	ब्लक B सटर नं. २	१	१६,२००।-	बहाल कर सहित

२. दरभाउपत्र फाराम सूचना प्रकाशित भएको मिति बाट ७ दिन भित्र कार्यालय समयमा प्रति टेण्डर फाराम दस्तुर बापत रु १०००।–(एक हजार मात्र फिर्ता नहुने गरी) बुझाई यस समितिको कार्यालयबाट खरिद गर्न सकिने छ ।
३. सूचना प्रकाशित मिति बाट ८औं दिन दिउँसो १२.०० बजे भित्र दरभाउपत्र कार्यालयमा दर्ता गरिसक्नु पर्नेछ । रित पूर्वक दर्ता हुन आएका दरभाउ पत्र सोही दिन दिउँसो २.०० बजे खोलिने भएको हुँदा दरभाउपत्रदाता वा निजले तोकेको प्रतिनिधिको रोहवरमा खोलिनेछ । तर सम्बन्धित व्यक्तिफर्म वा निजले तोकेको प्रतिनिधि उपस्थित नभएमा पनि दरभाउपत्र खोल्न बाधा पर्ने छैन । उक्त दिन सार्वजनिक बिदा भएमा कार्यालय खुलेको लगतै सो सम्बन्धि कार्य गरिनेछ ।
४. कुनै पनि व्यक्तिफर्म वा संस्थाको दरभाउपत्र स्वीकृत गर्ने वा नगर्ने सम्पूर्ण अधिकार यस समितिको कार्यालयमा निहित रहने छ ।
५. दरभाउ पत्र साथ सटर भाडा लिन इच्छुक व्यक्तिको हकमा नेपाली नागरिकता प्रमाण पत्रको प्रतिलिपि /संघ संस्थाको हकमा दर्ता प्रमाणपत्र नबिकरण, करचुक्ता प्रमाण पत्र पेश गर्नु पर्ने छ ।
६. बहालमा लिने व्यक्ति वा संस्थाले सटर भाडाको सम्झौतामा सहिछाप गर्नु पुर्व आफुले कबोल गरेको ३ महिना बराबरको हुन आउने रकम धरौटी बाफत यस धनगढी नगर बिकास समितिको नेपाल बैक लिमिटेड धनगढीमा रहेको धरौटी खाता नम्बर १३७००१००१६२९६४००००01 मा दाखिला गर्नु पर्ने छ ।
७. सटर भाडा प्रथम पटकका लागि बढीमा ६ बर्षका लागि सम्झौता गरिनेछ । म्याद थप निर्णय बमोजिम हुनेछ ।
८. रित पूर्वक पर्न आएको सबै भन्दा बढी रकम कबोल गर्ने दरभाउपत्रदाताको मासिक कबोल अंक स्वीकार गरिने छ ।
९. सम्झौता भएको मिति देखि प्रत्येक २ वर्षमा सम्झौता रकम को १० प्रतिशतका दरले बृद्धि गरी भाडा कायम गरिने छ ।
१०. हाल कायम रहेको सटरको संरचना निर्माण तथा मर्मत सम्भार सम्बन्धित भाडामा बस्ने फर्म/व्यक्तिले नै गर्नुपर्ने छ ।
११. बहाल सम्झौता भइ सकेपछि बहालमा लिएका संरचाहरुमा बिजुली, खानेपानी, मर्मत सम्भार सरसफाई कर लगायत सम्बन्धी सम्पूर्ण खर्च बहालमा लिने पक्षले नै व्यहोर्नुपर्ने छ ।
१२. अन्य कुनै थप जानकारी लिन चाहेमा यस धनगढी नगर विकास समतिको कार्यालयबाट कार्यालय समय भित्र बुझ्न सकिनेछ ।
१३. सटर भाडा लिन चाहने इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संघ सस्थाले कारोबार संचालन गर्दा डान्स बार, टयुसन र कोचिङ्ग सेन्टर र ध्वनी उत्पादन हुने कुनै पनि व्यवसाय संचालन गर्न पाउने छैन ।
१४. यस सूचनामा उल्लेख नभएको कुरा प्रचलिन ऐन कानून बमोजिम हुने छ ।
१५. यो सूचना धनगढी उप–महानगरपालिकाको वेव साईट www.dhangadhimun.gov.np बाट पनि हेर्न सकिने छ र थप जानकारीका लागि यस धनगढी नगर विकास समितिको कार्यालयमा सम्पर्क गर्न सकिने छ ।

....
जनक राज भट्ट
सदस्य–सचिव
धनगढी नगर विकास समिति

पूर्वसूचना ओ तयारीसे रुकल क्षति

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ कुँवार । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे पाछेक तीन दिनसम भारीसे अति भारी वर्षा हुइलेसे फेन उच्च सतर्कतासे मानवीय ओ भौतिक क्षति हुइनासे बचल बा । जोरसे वर्षा हुइलेसे फेन पूर्वसूचना ओ तयारीके कारण शून्य क्षति हुइल हो ।

नेपाल मौसम विज्ञान विभाग मौसम पूर्वानुमान महाशाखासे कुँवार ९ से ११ गतेसम देशभर भारीसे अति भारी वर्षा हुइना पूर्वानुमान करलपाछे इ प्रदेशके सक्कु जिल्लामे उच्च सतर्कता अपनाइल रहे ।

वर्षा हुइनासे पहिले नै टोल टोलसम सूचना प्रवाह कैके सक्कु जनहनहे सजग बनैनाके साथे पूर्वतयारीके साथ उच्च सतर्कता अपनाइलपाछे तीन दिनसम वर्षा हुइलेसे फेन कौनो क्षति हुइ नैपाइल आन्तरिक मामिला तथा कानुनमन्त्री खुसीराम डङ्गौरा थारू बटैलै । उहाँके अनुसार मौसम पूर्वानुमान महाशाखासे चेतावनी डेहल शुकससे अँट्वारसम सुदूरपश्चिम प्रदेशमे कौनो फेन क्षति हुइ नैपाइल ।

मनसुनजन्य विपतसे हुइ सेक्ना क्षति न्यूनीकरणसे लेके खोज, उद्धार ओ पुनर्स्थापनाके लाग प्रदेश सरकारसे भरपुर तयारी करल बा । पहिले नै सक्कु जनहनहे सुसूचित कैनाके साथे करल पूर्वतयारी ओ सतर्कता प्रभावकारी बनल मन्त्री थारू उल्लेख करलै ।

जल तथा मौसम विज्ञान कार्यालय महाकाली बेसिन अत्तरियाके अनुसार तीन दिनमे सुदूरपश्चिम प्रदेशमे भारीसे अति भारी वर्षा हुइल बा । अँट्वारके रोज किल सक्कु जिल्लामे ६० मिलिमिटरसे ढेर पानी परल उ कार्यालयके प्रमुख इन्जिनियर सञ्जयकुमार साह बटैलै । उहाँ तीन दिनके अवधिमे सुदूरपश्चिममे दुई सय मिलिमिटरसे ढेर पानी परल उल्लेख करलै ।

तीन दिनसम हुइल वर्षाके क्रममे इ प्रदेशमे चौपायासमेत क्षति हुइ नैपाइल सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी कार्यालयके सूचना अधिकारी वरिष्ठ प्रहरी उपरीक्षक पदमबहादुर विष्ट बटैलै । उहाँके अनुसार इ वर्षाके क्रममे मानवीय, चौपाया ओ भौतिक क्षति हुइल नैहो । पहिरो ओ बाढीके जोखिममे रहल डडेलधुराके जोगबुढा, दार्चुला, अछाम ओ कञ्चनपुरके कुछ परिवारहे विपतपूर्व नै सुरक्षित स्थानमे सारल रहे । उहाँ पहिरो गिरलपाछे कुछ मार्ग आंशिक रूपमे प्रभावित हुइना बाहेक बरवार दुर्घटना नैहुइल बटैलै ।

झरी परल ओरसे टरल विपत्

सुदूरपश्चिम प्रदेशमे इ बेर पूर्वसूचना, पूर्वतयारी ओ उच्च सतर्कतो किल बरवार विपत् टरल नैहो । सम्भावित विपत् ओ दुर्घटना नैहुइनामे इ बेर प्रकृतिके फेन साथ रहल जल तथा मौसम विज्ञान कार्यालय महाकाली बेसिन अत्तरिया जानकारी डेले बा । उ कार्यालयके प्रमुख इन्जिनियर साहके अनुसार तीन दिनसम लगातार झरी परल कारण बरवार विपत् टरल हो । "तीन दिन झरी नैपरके अक्केचो वर्षा हुइल रहट कलेसे यहाँ बरवार क्षति हुइट," उहाँ कहलै, "मने झरी परके ठिक हुइल । इहीसे हमार ग्राउन्ड वाटर फेन रिचार्ज हुइल बा कलेसे एक्कासि बारह् फेन नैआइल ।"

जनजीवन सामान्य बन्टी

कञ्चनपुरमे बारह्के जोखिमहे दृष्टिगत कैटी डेढ सयसे ढेर स्थानीयवासीहे सुरक्षित स्थानमे सारल बा । यहाँके दोधारा चाँदनी नगरपालिकास्थित जोखिमयुक्त क्षेत्रके १५६ स्थानीयवासीहे सुरक्षित स्थानमे राखल हो । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक टेकबहादुर रावत दोधारा चाँदनी नगरपालिका–७, रामपुरे टापु ओ जर्गाटोलके १५६ स्थानीयवासीहे वडा नम्बर ८ स्थित जनज्योति माध्यमिक विद्यालय ढकनामे स्थानान्तरण करल जानकारी डेलै ।

रातके समयमे उहाँहुक्रनहे विद्यालयमे सुरक्षित राखल उहाँके कहाइ रहल बा । सकारे घरायसी तथा अन्य कामकाजमे अइना करल उहाँहुक्रनहे रातके विद्यालयमे बास बैठैटी आइल प्रहरी जनैले बा । जिल्लामे बाढीजन्य विपतमे परल उद्धारके लाग ढेर संख्यामे सुरक्षाकर्मी तयारी अवस्थामे रहल जनाइल बा । गैल शुकके सकारेसे जोखिमग्रस्त क्षेत्रके स्थानीयके उद्धारके लाग ढेर सत्त्यामे सशस्त्र प्रहरी तथा नेपाल प्रहरी खटाइल हो ।

प्रनाउ रावतके अनुसार सम्भावित जोखिमग्रस्त क्षेत्रमे खटक लाग २५ जनहनके विशेष टोलीसमेत जिल्ला प्रहरी कार्यालयमे तयारी अवस्थामे राखल बा । ओस्टके सम्भावित डुबान नैहोए कहक लाग स्थानीय तह, समुदायसँग सँगे रहीके जोखिममे परल स्थानीयहे सुरक्षित स्थानमे स्थानान्तरण कैना कार्य हुइटी रहल उहाँ बटैलै ।

सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल नम्बर ३५ गण हेडक्वाटर शैलेश्वरी झलारी (कञ्चनपुर) के प्रमुख (गणपति) सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक (एसपी) खगेन्द्र चन्दसे जोखिमयुक्त क्षेत्रमे उद्धार सामग्रीसहितके उद्धार टोली तयारी अवस्थामे राखल बटैलै ।

उहाँके अनुसार जिल्लाके बेलौरी, पुनर्वास, झलारी, भीमदत्त ओ दोधारा चाँदनी नगरपालिका कैके पाँच स्थानमे रबर ज्याप्टबोर्डसहितके टोली तयारी अवस्थामे राखल बा । इ बाहेक सीमाक्षेत्रमे रहल सशस्त्र प्रहरी क्याम्पमे आवश्यक सामग्रीसहित विपत् उद्धार टोली तयारी अवस्थामे रहल सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक चन्द बटैलै ।

जिल्लामे गत बिफेक रोज रातसे अँट्वार दिनसम सामान्यसे मध्यम वर्षा हुइल बा । न्यून चापीय प्रणाली ढिरेसे कमजोर हुइटी गैलपाछे मौसममे सुधार हुइटी गैल महाकाली बेसिन फिल्ड कार्यालय अत्तरियाके इन्जिनियर प्रमुख सञ्जय साह बटैलै ।

सोम्मारसे भर मौसम सामान्य हुइटी जैना समेत उहाँ जानकारी डेलै । मौसममे सुधार हुइटी गैलपाछे कञ्चनपुरस्थित सहरबजार तथा गाउँबस्तीमे मनैनके चहलपहलसमेत बह्रल बा । गैल शुकसे बन्द रहल शैक्षिक संस्था सोम्मारसे भर नियमित रूपमे सञ्चालन रहना जनाइल बा ।

बाँध नैखोलजैना

भारतके उत्तराखण्ड प्रदेशके पिथौरागढ जिल्लास्थित धारचुला तहसिल अन्तर्गत छिरकिल्लामे रहल धौलीगङ्गा जलविद्युत् परियोजनाके बाँधके ढोका मौसम प्रतिकूलताके कारण तत्काल नैखोल्ना हुइल बा । उहीसे आघे सिल्ट सफाइके लाग बाँधके ढोका खोलजैना कहटी सूचना जारी करल रलेसे फेन तत्काल नैखोल्ना हुइल हो ।

वर्षा हुइटी रहल समयमे बाँधके ढोका खोल्ना जोखिम हुइना कहटी तत्कालके लाग नैखोल्ना सूचना प्राप्त हुइल दार्चुलाके प्रमुख जिल्ला अधिकारी वर्तराज पौडेल जानकारी डेलै ।

उहाँके अनुसार भारतस्थित धारचुलाके उपजिल्लाधिकारी आशिष जोशी धौलीगङ्गा पावर स्टेसनहे पत्र पठैटी हालके प्रतिकूल मौसम ओ महाकालीके उच्च जलस्तरके कारण पानी छोर्ना लडियाके सतह खतरा तहसे उप्पर जाइ सेक्ना जोखिम रहल जनैले बटै । उहीसे आघे यहाँ महाकाली लडियामे जलस्तर बह्रे सेक्ना कहटी जिल्ला प्रशासन कार्यालय दार्चुलासे नदी तटीय क्षेत्रके बासिन्दाहे सतर्कता अपनैना सार्वजनिक सूचना जारी कैके आग्रह करल रहे । कुँवार ११ गते अँट्वारसे राति १२ से कुँवार १२ गते सोम्मार सकारे १० बजेसम ३४ घण्टा धौलीगङ्गा जलविद्युत् परियोजनाके बाँधके ढोका खोल्ना कहिके सूचना जारी करल रहे ।

उहाँके अनुसार एनएचपिसी लिमिटेड ओ धौलीगङ्गा पावर स्टेसनसे नेपाली प्रशासनहे बाँध खोल्नाबारे पत्राचार करल हो । दार्चुलाके उच्च हिमाली क्षेत्र तिङ्कर, छाङरु क्षेत्रमे हिमपातसमेत हुइल बा । बाँधके ढोका खोलजैना हुइलपाछे लडिया तटीय क्षेत्रमे बसोबास कैना नागरिकके जानकारीके लाग सूचना जारी करल उहाँ बटैलै । नदी तटीय क्षेत्रके स्थानीयहे लडिया किनारमे नैजैना सूचनामार्फत आग्रह करल रहे । भारतीय पक्षसे बर्सातके समयमे सरसफाइ कैना कहटी बेला बाँधके ढोका खोल्टी आइल बा ।

दार्चुलासे बैतडी, डडेलधुरा, कञ्चनपुर हुइटी भारतओर बहना महाकालीमे पानीके सतह बह्रे सेक्ना हुइल ओरसे लडिया छेउछाउमे नैजैना स्थानीय प्रशासन अनुरोध करल हो ।

पहिरोसे भँठके ४ के मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, १२ कुँवार । बागलुङके निसीखोला गाउँपालिकामे पहिरोसे अक्के परिवारके चार जनहनके मृत्यु हुइल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय बागलुङके अनुसार निसीखोला गाउँपालिका–३ मे पहिरोसे घर भँठ्के अक्के परिवारके चार जनहनके मृत्यु हुइल हो । घरउप्परसे अकस्मात गिरल पहिरोसे घर भँठेबर ३९ वर्षीया श्यामकुमारी विक, ओहकान छावा १२ बरसके मनोज विक, ९ बरसके मुकेश विक ओ ५ बरसके निसन विक रहल प्रहरी जनैले बा ।

गाउँपालिकाके उपाध्यक्षा प्रेमबहादुर घर्तीमगरके अनुसार अँट्वार सकारे ४/५ बजेके समयमे घरउपर गिरल पहिरोमे भँठके ओइनके मृत्यु हुइल हो ।

उहे डडाके एङवेङमे जंगबहादुर खड्काके बाखा खोर पहिरोमे परल बा । ओहकान अनुसार खोरमे रहल २५ ठो छेग्री रहलमे ८ ठो पहिरोमे पुहल जनाइल बा ।

यहोँर कालीगण्डकी लडियाके बहाव बह्रके बस्तीमे पेलेबर पर्वतके जलजला गाउँपालिका–८ फर्सेमे २५ घर पुहल बावै ।

नेपाल प्रहरीसे डेहल जानकारीअनुसार अँट्वार सकारे करिब ८ बजे लडियाके बहाव बह्रके बस्तीमे पेलल् हो । उक्त बस्तीमे करिब ८० घर रहल रहे । उ मध्ये २५ घर पुहल बावै कलेसे बाँकी घर फेन जोखिममे रहल प्रहरी जनैले बा ।

घटनामे हालसम मानवीय क्षति हुइल नैहो । बस्तीके सक्कु स्थानीयहे सुरक्षित स्थानमे स्थानान्तरण करल प्रहरी जनैले बा ।

पहिरोके कारण प्रहरी टोली तत्काल घटनास्थलमे पुगे सेकल नैहो । घटनास्थल प्रहरी चौकी मिलनचोक, पर्वतसे करिब ६ किलोमिटर पूरुबमे परठ् । घटनाके थप विवरण अइना बाँकी रहल नेपाल प्रहरी जनैले बा ।

राजनीतिक ...

निर्माण तथा समावेशी नीति नेतृत्वके बाट सिखागिल रहे ।

ओस्टेक करके पाँचौ दिनमे प्रमाणमे आधारित नेतृत्व, नीति विश्लेषण तथा घोषणापत्र विकास, राजनीतिक सञ्चार सार्वजनिक बक्तृत्व, संचारमाध्यमसंगके संलग्नता तथा वहसके सीप, डिजिटल अभियान, सामाजिक संजाल, गलत सूचनाके पहिचान ओ प्रतिरोध तथा राजनीतिमे महिला विरुद्ध हुइना हिंसा, व्यक्तिगत राजनीति नेतृत्व तथा निर्वाचन तयारी कार्ययोजना समिक्षा तथ समापनके बाट सिखागिल रहे । पाँच दिने तालिममे प्रशिक्षण टेकनाथ सापकोटा, इशा घिमिरे डेहल रहिट । कलेसे सहजीकरण ओरेक प्रदेश संयोजक सपना थापा ओ जिल्ला संयोजक गीता चौधरी करल रही । तालिम समापन कार्यक्रम सरिता दियालीके अध्यक्षतामे हुइल रहे ।

मितव्ययी रुपमा चाडपर्व मनाऔं

- चाडपर्व मनाउदा आम्दानी अनुसारको योजना बनाएर मात्र खर्च गरौं,
- देखासिकी र प्रतिस्पर्धाका लागि ऋण लिएर अनावश्यक खर्च नगरौं,
- आवश्यकता अनुसार मात्र सरसामान खरिद गर्ने बानी बसालौं,
- खरिद गर्दा स्थानीय तथा स्वदेशी उत्पादनलाई प्राथमिकता दिऔं,
- खाना तथा अन्य सामग्री खेर नफालौं,
- मितव्ययिता अपनाई परिवारको आर्थिक स्थायित्व कायम गरौं,
- चाडपर्वलाई अनावश्यक भड्किलो र खर्चिलो नबनाऔं ।

चाडपर्वको खुसी खर्चको प्रतिस्पर्धामा होइन, आत्मीयता र सद्भावमा हुन्छ ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

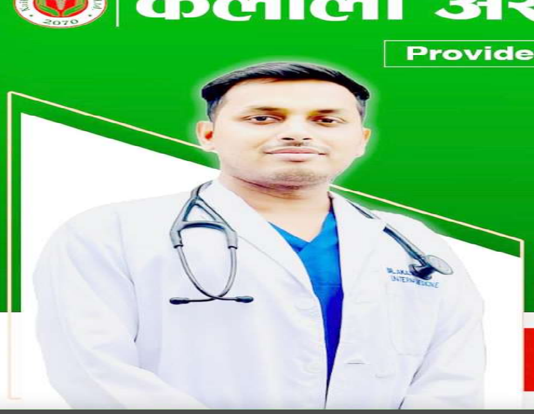

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९